मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

E-NEWS LETTER

VOL: 2024-I January-March https://mpbou.edu.in

राष्ट्रीय युवा दिवस
स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर
12/01/2024

स्वामी विवेकानंद देश के युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं- प्रो. संजय तिवारी

भोपाल 12 जनवरी 24। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, किसी देश की प्रगति में उसके महापुरुषों का बहुत बड़ा योगदान होता है। स्वामी विवेकानंद हमारे युवाओं के लिए हमेशा रोल मॉडल रहेंगे। उन्होंने कहा कि, भारत की आजादी के समय जितने भी क्रांतिकारी थे, लगभग सभी ने स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा ली। भगत सिंह भी स्वामी विवेकानंद को अपना प्रेरणा पुरुष मानते थे। डॉ. तिवारी ने बताया कि, अमेरिका में हुए विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने वास्तव में भारत की संस्कृति का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कहा था कि, हमें सही होने के लिए दूसरों का गलत होना आवश्यक नहीं है। प्रो. संजय तिवारी ने आवाहन किया कि हमें स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का पालन करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि, भारत को आगे बढ़ाने के लिए भारत को एक वैज्ञानिक राष्ट्र बनाना होगा। हमें अपने लक्ष्य पर केंद्रित होना चाहिए। युवा वह है जो, दुर्गुणों से दूर हैं, और उनमें देश को आगे बढ़ने का माद्दा हो। प्रो. तिवारी ने उपस्थित श्रोताओं से आवाहन किया कि, हमारे युवाओं को स्वामी विवेकानंद को अवश्य पढ़ना चाहिए। भारत को आज पुनः एक स्वामी विवेकानंद की आवश्यकता है, जो भारत का मार्गदर्शन कर सकें।

कार्यक्रम के मध्य में इस अवसर पर उपस्थित पूर्व छात्र- छात्राओं को उनके विचार साझा करने का भी अवसर प्रदान किया गया। बी.ए. संकाय के पूर्व छात्र कपिल वर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि, स्वामी विवेकानंद वेदांत योग और गीता पर विशेष बल देते थे। उन्होंने उनके शिकागो सम्मेलन की भी चर्चा की। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के निर्देशक प्रो रतन सूर्यवंशी ने कहा कि, भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें व्यक्तित्व विकास पर जोर देना होगा। विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें आज ही संकल्प लेने होंगे और उन पर फोकस होकर कार्य करना होगा। इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च नई दिल्ली के प्रो. देवाशीष देवनाथ ने इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, भारत में अनुशासन की कमी है, हमें खुद से पहले दूसरों के बारे में सोचना चाहिए। व्याख्यान कार्यक्रम के अंतिम चरण में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि, भारत में युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। यह युवा शक्ति ही भारत को विकास के पद पर अग्रसर करेगी।

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार ,डॉ. साधना सिंह बिसेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के श्री मिलिंद राव ने प्रथम स्थान, डॉ. किशोर जॉन ने द्वितीय स्थान तथा अचंटा रवि कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम का समापन अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण करके किया गया।

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

समग्र स्वच्छता अभियान कार्यक्रम, भोज विश्वविद्यालय परिसर, दिनांकः 22.01.2024

गणतंत्र दिवस
दिनांकः 26.01.2024

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

राजा भोज मार्ग चूना भट्टी, भोपाल (म. प्र.)

/ / कार्यालयीन आदेश / /

आदेशानुसार

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

(Accredited with Grade 'A' by NAAC)

VIKSIT BHARAT @2047

एक दिवसीय कार्यशाला

"व्यक्तित्व विकास"

दिनांक 30 जनवरी, 2024

मुख्य अतिथि

मा. श्री अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव

शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि

संचालक, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

मा. कुलपति

आप सादर आमंत्रित हैं।

एक दिवसीय कार्यशाला
व्यक्तित्व विकास
30.01.2024

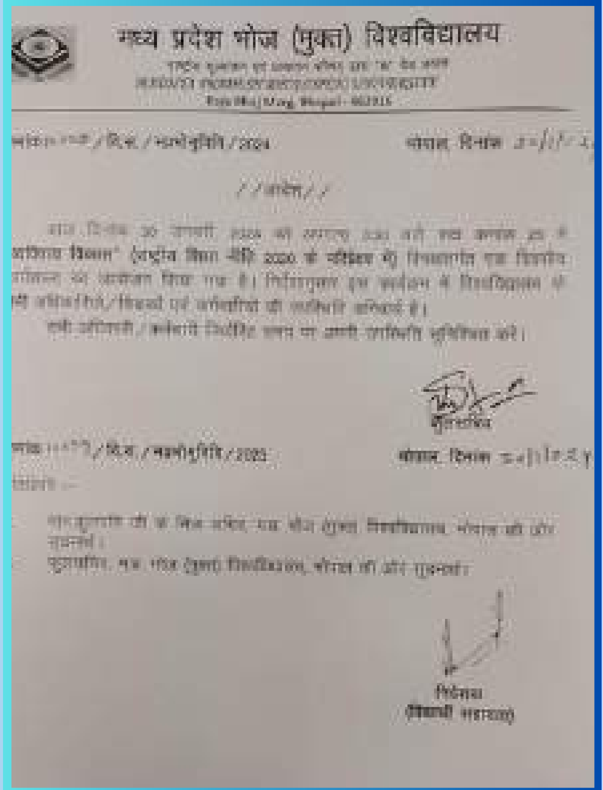
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

//आदेश//

अच्छी आदतों और नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना ही व्यक्तित्व विकास है- श्री अतुल कोठारी

भोपाल 30 जनवरी 2024। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था व्यक्तित्व विकास। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार कक्ष में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अशोक कड़ैल, संचालक, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई।

कार्यक्रम के आरंभिक उद्बोधन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री अतुल कोठारी ने कहा कि, जीवन में कुल पांच कोष है जो व्यक्ति का व्यक्तित्व निर्धारित करते हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में जीवन का परिचय एवं व्यक्तित्व के ऊपर अनेक उदाहरण देकर अपने अंतर्मन की बात श्रोताओं तक पहुंचाई। उन्होंने भौतिक मूल्यों, संस्कारों और दिनचर्या को समावेश करते हुए स्वामी विवेकानंद के पहनावे पर विदेश में उठे सवाल को भी अपने उद्बोधन में सम्मिलित किया। उन्होंने कहा कि भारत में व्यक्तित्व ही चरित्र का आधार होता है। श्री कोठारी ने अनेक उदाहरणों के साथ अपनी बात को समझाते हुए यह भी कहा कि जीवन में जो अच्छे मूल्यों को लेकर सही रास्ते पर चलता है, वह ही नैतिक कहलाता है। उन्होंने जीवन में प्रतिदिन उपयोग होने वाले पांच कोषों से भी परिचित कराया। जिसमें अन्नमयकोष, प्राणकोष, मनोमय कोष, विज्ञान कोष एवम आनंदमय कोष सम्मिलित हैं। श्री कोठारी ने सभी पांचो कोषों को विस्तार पूर्वक उदाहरण सहित समझाते हुए अंत में कहा कि जीवन में किसी की मदद करना और उसे अच्छे मुकाम तक पहुंचाना ही जीवन का परम आनंद है एवं निस्वार्थ भावना से सेवा करना ही आध्यात्मिकता है।

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि, श्री कोठारी द्वारा बताई गई बातों को जीवन में अगर हम उतारते हैं, तो हमारा जीवन अवश्य सफल होगा और इससे व्यक्ति का ही नहीं व्यक्तित्व का भी विकास होगा। उन्होंने दो वाक्य के माध्यम से अपनी बात कही ''बच्चों के हाथों को चांद सितारे छूने दो, चार किताबें पढ़ने दो, तब वह हमारी तरह हो जाएंगे''। प्रो. तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में यह भी कहा कि रामलला तो आ गए पर राम राज्य कब आएगा, यह हमें तय करना होगा। ज्ञान अर्जन करने से व्यक्ति में सौम्यता नहीं आती, सही संस्कार ही व्यक्तित्व विकास करता है। अंत में उन्होंने कहा कि कौशल विकास का सपना व्यक्तित्व विकास से ही पूरा होगा, इसीलिए व्यक्ति का विकास नहीं व्यक्तित्व विकास जरूरी है।

कार्यशाला के अंतिम चरण में विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया ने ''व्यक्तित्व विकास'' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, क्षेत्रीय निदेशकों, शिक्षकों एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मंच संचालन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

अच्छी आदतों और नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना ही व्यक्तित्व विकास है : कोठारी

मध्य प्रदेश संवाददाता ■ भोपाल

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था व्यक्तित्व विकास। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सभागार कक्ष में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में अशोक कड़ेल, संचालक, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई।

कार्यक्रम के आरंभिक उद्बोधन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अतुल कोठारी ने कहा कि, जीवन में कुल पांच कोश हैं जो व्यक्ति का व्यक्तित्व निर्धारित करते हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में जीवन का परिचय एवं व्यक्तित्व के ऊपर अनेक उदाहरण देकर अपने अंतर्मन की बात श्रोताओं तक पहुंचाई। उन्होंने नैतिक मूल्यों, संस्कारों और दिनचर्या को समाहित करते हुए स्वामी विवेकानंद के पहलुओं पर विशेष उदाहरणों को भी अपने उद्बोधन में सम्मिलित किया। उन्होंने कहा कि भारत में व्यक्तित्व ही चरित्र का आधार होता है। श्री कोठारी ने अनेक उदाहरणों के साथ अपनी बात को समझाते हुए यह भी कहा कि जीवन में जो अच्छे मूल्यों को लेकर सही रास्ते पर चलता है वही नैतिक कहलाता है। उन्होंने जीवन में प्रतिदिन उपयोग होने वाले पांच कोशों से भी परिचित कराया। जिसमें अन्नमयकोष, प्राणकोष, मनोमय कोष, विज्ञान कोष एवम आनंदमय कोष सम्मिलित हैं। श्री कोठारी ने सभी पांचो कोषों को विस्तार पूर्वक उदाहरण सहित समझाते हुए अंत में कहा कि जीवन में किसी की मदद करना और उसे अच्छे मुकाम तक पहुंचाना ही जीवन का परम आनंद है एवं निस्वार्थ भावना से सेवा करना ही आध्यात्मिकता है। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि, श्री कोठारी द्वारा बताई गई बातों को जीवन में अगर हम उतारते हैं, तो हमारा जीवन अवश्य सफल होगा और इससे व्यक्ति का ही नहीं व्यक्तित्व का भी विकास होगा। उन्होंने दो मुहावरे के माध्यम से अपनी बात कही कर्मों के हाथों की चाह जिसके चूमे थी, पढ़ लिखकर पहले थे, सब कह स्वयं तक हो जाएगी।

प्रोफेसर तिवारी ने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि सफलता तो आ गए, पर हम उस पर आगे यह हमें तय करना होगा। ज्ञान अर्जित करने से व्यक्ति में बौद्धिकता नहीं आती, सही संस्कार ही व्यक्तित्व विकास करता है। अंत में उन्होंने कहा की कौशल विकास का मतलब व्यक्तित्व विकास से ही हुआ होता, इसीलिए व्यक्ति का विकास नहीं व्यक्तित्व विकास जरूरी है। कार्यशाला के अंतिम चरण में विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया ने व्यक्तित्व विकास विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, क्षेत्रीय निदेशकों, शिक्षकों एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर मंच संचालन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्विद्यालय में क्षेत्रीय निदेशकों की बैठक संपन्न

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के रीजनल डायरेक्टर्स की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी द्वारा की गई। विश्वविद्यालय के बोर्ड रूम में हुई बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ-साथ कुलसचिव, विभिन्न अधिकारी एवं समस्त रीजनल सेंटरों के डायरेक्टर्स मौजूद थे। बैठक में निर्धारित एजेंडा अनुसार कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई, साथ ही अलग-अलग विषयों पर सुझाव साझा किए गए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय तिवारी ने अपने सुझाव साझा करते हुए कहा कि, हमें एनईपी 2020 के अंतर्गत विकसित भारत 2047 को ध्यान में रखते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने क्षेत्रीय निदेशकों को यह भी सुझाव दिया कि, वह अपने-अपने क्षेत्र में भोज मुक्त विश्वविद्यालय की नव स्वरूप प्लेटफार्म का प्रचार प्रसार करें, गतिविधि कार्यशाला करवाएं जिससे नए विद्यार्थियों को जुड़ने का अवसर मिले। प्रो. तिवारी ने सभी क्षेत्रीय निदेशकों को तुरंत डिजी लॉकर पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की गई जिसमें सभी क्षेत्रीय निदेशक, रजिस्ट्रार एवं अधिकारियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रो. तिवारी ने यह भी कहा कि, वर्तमान में विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया में पहली ऑनलाइन की तरह से जो भी समस्या आ रही है, शीघ्र अति शीघ्र उसका निराकरण कर प्रवेश प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रयास किया जाएगा।

ऊर्जा एवं जलवायु संरक्षण पर कार्यशाला
16 फरवरी 2024

भोपाल 16 फरवरी 2024 मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में ऊर्जा एवं जलवायु संरक्षण विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कर्मचारी, शिक्षक छात्र एवं बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी भी उपस्थित हुए। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. चेतन सिंह सोलंकी उपस्थित थे। प्रोफेसर सोलंकी इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, मुंबई के प्रोफेसर हैं और मध्य प्रदेश शासन के लिए सोलर ऊर्जा के ब्रांड एंबेसडर है। प्रो सोलंकी ने कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन और सुधार के लिए छह बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा की राजा को एक दार्शनिक होना चाहिए क्योंकि बिना दार्शनिक चिंतनके शक्ति खतरनाक होती है। उन्होंने कहा कि हर शासन को यह पता होता है की जीडीपी बढ़ाना चाहिए किंतु वास्तव में इसे कितना बढ़ाना चाहिए, किस दर से बढ़ना चाहिए और कब तक बढ़ाना चाहिए इस बात का पता नहीं होता। उन्होंने कहा की जलवायु परिवर्तन अत्यंत तीव्र गति से हो रहा है और यह परिवर्तन हमारे पूर्वानुमानों से भी अधिक तेज है। आज हम देखते हैं की बर्फ तेजी से पिघल रही है, भयानक बाढ़ आती हैं, तेज गर्मी और सूखा पड़ता है ,यह सब प्राकृतिक आपदाएं हैं। उन्होंने कहा कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने की गति 4.5 मि. मि. प्रति वर्ष है। शीत लहर चलने से प्रकृति में असंतुलन पैदा हो रहा है। प्रो. सोलंकी ने कहा कि हम कार्बन आधारित ईंधन जैसे कोयला, पेट्रोल, डीजल, गैस इत्यादि से पैदा होने वाली ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं जो हमारी कुल ऊर्जा खपत का ८५ प्रतिशत है। भारत इन्हें आयात करने के लिए बहुत अधिक धन खर्च करता है जो कि लगभग 14 से 15 लाख करोड रुपए होता है। इस वजह से हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता रहती है। इन सभी कार्बन आधारित ईंधन के दहन से कार्बन डाइऑक्साइड बनती है जो पर्यावरण में गर्मी पैदा करने का एक प्रमुख स्रोत है। प्रो. चेतन सिंह सोलंकी ने दैनिक जीवन के कार्यों के उदाहरण से ऊर्जा खपत और उससे पर्यावरण को होने वाले नुकसानों को समझाया।

उन्होंने बताया कि पहले की तुलना में धरती का तापमान 1.22 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। इसे नियंत्रित करने के लिए केवल पेड़ पौधे लगाने से काम नहीं चलेगा। धरती का तापमान बढ़ने से विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं आती हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार है क्योंकि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व की जीडीपी बढ़ रही है किंतु प्रकृति की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। हवा, पानी, मिट्टी लगातार प्रदूषित होती जा रही है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ में विश्व में किये जा रहे जलवायु सुधारो की चर्चा करते हुए कहा कि अब तक विश्व में जो भी जलवायु सुधार के लिए प्रयास किया जा रहे हैं उसके परिणाम सही नहीं आ रहे हैं। धरती का तापमान यदि दो डिग्री सेल्सियस और बढ़ गया तो यह बहुत ही भयानक प्राकृतिक आपदाओं को निमंत्रण होगा। इससे मानव का अस्तित्व खतरे में आ जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें कार्बन उत्सर्जन को न केवल कम करने की आवश्यकता है बल्कि इसे तुरंत बहुत ही कम करने की आवश्यकता है। कार्बन उत्सर्जन को कम करना आज मानव प्रजाति की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए हमें तुरंत सौर ऊर्जा अपनाना चाहिए और इसे वृहद पैमाने पर और तुरंत करना होगा। हमारा अस्तित्व सौर ऊर्जा पर निर्भर है। सौर ऊर्जा का उपयोग हर जनमानस को करना होगा। उन्होंने इस बात को जोर दे कर कहा कि हमें सौर ऊर्जा का उपयोग भी सोच समझकर करना होगा। उन्होंने अस्तित्व के लिए दो नियम बताएं; पहला हमारा ऊर्जा का उपभोग सीमित होना चाहिए और दूसरा हमारा ऊर्जा का उत्पादन स्थानीय होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कहा कि सबसे पहले हमें ऊर्जा खपत को टालना चाहिए दूसरा हमें ऊर्जा खपत को लगभग एक तिहाई कम करना चाहिए तीसरा ऊर्जा को स्थानीय स्तर पर उत्पादन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से न केवल व्यक्ति के स्तर पर, देश के स्तर पर, समाज के स्तर पर ऊर्जा में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। हमें ऊर्जा संरक्षण और सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए जन आंदोलन की आवश्यकता है। प्रो सोलंकी ने विद्यार्थियों और प्रेस के संवाददाताओं के सवालों के जवाब भी दिए।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा की प्रकृति के अंधाधुंध दोहन के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। हमें हरित ऊर्जा की ओर जाना होगा। भारत सरकार का भी संकल्प है कि आने वाले साल में एक करोड़ घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में हमें तेजी से बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि अगर हम सब ठान लें तो इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए जन आंदोलन में बदल सकते हैं। हमें 2070 तक कार्बन उत्सर्जन शून्य करना होगा। 2030 तक हमें कार्बन आधारित ऊर्जा के खपत पचास प्रतिशत कम करनी होगी। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ साधना सिंह बिसेन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के डायरेक्टर प्रो. उत्तम सिंह चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया थे।

दिनांक 14/02/24 को वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय में मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना

दिनांक 14/02/24 को वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय में मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना विधिवत रूप से की गई जिसमे माननीय कुलपति प्रो. डॉ संजय तिवारी जी एवम कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया सहित अधिक संख्या में विश्वविद्यालय के अधिकारी एवम कर्मचारीगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने आरती के पश्चात प्रसाद भी ग्रहण किया और विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती से शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को नई पहचान एवम ऊंचाइयों तक पहुंचाने की कामना की।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित कार्यक्रम
दिनांक: 27.02.2024

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित कार्यक्रम में सहभागिता

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
28 फरवरी 2024

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय था, "विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकियाँ"। संगोष्ठी का यह विषय भारत शासन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा 6 जनवरी 2024 को लॉन्च किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मिशीगन तकनीकी विश्वविद्यालय,अमेरिका, के भौतिक शास्त्री और भौतिक विभाग के प्रमुख प्रो. रविंद्र पांडे उपस्थित थे। प्रो. पांडे ने नैनो मटेरियल के ऊर्जा क्षेत्र में इस्तेमाल पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा अब नैनो मटेरियल को देखने की तकनीक विकसित हो गई हैं। जैसे लाइट माइक्रोस्कोप और इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप जिसकी सहायता से नैनो मटेरियल को देखा जाना संभव हुआ है । प्रो. पांडे ने नैनो मटेरियल को देखने की विभिन्न तकनीकों को उदाहरण सहित समझाया। उन्होंने बताया कि, किस प्रकार नैनो मटेरियल का निर्माण किया जाता है। नैनो मटेरियल के गुण - धर्म निर्धारण में रमन स्पेक्ट्रम का बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। प्रो. पांडे ने बताया कि, किस प्रकार सौर ऊर्जा के निर्माण में नैनो मटेरियल का उपयोग किया जाता है।

नैनो तकनिकी के उपयोग फोटो वोल्टिक मटेरियल सौर उर्जा को विद्युत उर्जा में बदलते हैं। फोटो वोल्टिक सैल निर्माण में सिलिकॉन के प्रयोग के महत्व को स्पष्ट किया। नैनो मटेरियल की सहायता करें फोटो वोल्टिक सैल की विद्युत उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, आज के कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि, हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए दोगुनी ऊर्जा की आवश्यकता होगी। इसके लिए हमें नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर बल देना होगा। प्रो. तिवारी ने उपस्थित विद्यार्थियों से कहा कि, आपको वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए मॉडलिंग सिमुलेशन का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने डॉक्टर सी वी रमन के जीवन के कुछ अनछुए पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि, नैनो टेक्नोलॉजी के कारण ही हमारे मोबाइल फोन का वजन कम हुआ है। रमन स्कैनर पर डीआरडीओ में कार्य किया जा रहा है। रमन स्कैनर आज दुनिया के फिंगरप्रिंट की तरह है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि, आज नैनो पदार्थ के क्षेत्र में अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। प्रो. तिवारी बताया कि, किस तरह से नेनो तकनीक से कैंसर तक का इलाज संभव होता है। हम सभी को रमन इफेक्ट के को समझना चाहिए। भारत औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें युवाओं के लिए बहुत सारे मौके आने वाले हैं। इसके लिए युवाओं को तैयार रहना चाहिए। प्रो तिवारी ने कहा कि, विज्ञान का लाभ जब तक समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक ना पहुंच जाए, तब तक विज्ञान का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए हमें बहुत कठोर परिश्रम की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में भोपाल के अनेक महाविद्यालयों के शिक्षकों एवम विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने डॉ. सी वी रमन के जीवन परिचय एवं विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. साधना सिंह बिसेन द्वारा किया गया और अंत में मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुशील मंडेरिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 14.03.2024

भोपाल 14 मार्च 2024। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज 14.03.2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती अरुणा मोहन राव, पूर्व आईपीएस अधिकारी, भोपाल उपास्थित थीं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती कला मोहन, संस्थापक, निदान संस्थान, भोपाल उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के DME विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा महिला दिवस की थीम पर रंगोली बनाई गई एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रस्तुति दी गई। जिसमे विभिन्न प्रेरणादायक कविता, गीत एवं संदेशात्मक मॉक एक्ट (मूक अभिनय) प्रस्तुत किये गए।

श्रीमती अरुणा मोहन राव ने अपने वक्तव्य में कहा कि, महिलाओं को किसी विशेष दिवस की जरूत नहीं, हर दिन महिला दिवस होता है। उन्होंने कहा कि, आज क्या बल्कि किसी भी युग में महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती है। श्रीमती राव ने कहा कि, महिला ही मानव दुनिया की उत्पत्ति का कारक है। उन्होंने इस वर्ष 8 मार्च के महिला दिवस एवं शिवरात्रि के संयुक्त अवसर पर अर्धनारीश्वर भगवान शिव का उदाहरण देते हुए कहा कि, भगवान ने तो हमारी रचना में कोई कसर नहीं छोड़ी किंतु यह हम और हमारा समाज है, जो नारी और पुरुष में भेदभाव करते हैं। उन्होंने भारतीय समाज के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि, हमारा समाज बहुत ज्यादा पुरुष प्रधान था और काफी हद तक आज भी पुरुष प्रधान है।

महिलाओं ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी कामयाबी हासिल की है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें महिलाओं ने अपने कदम नहीं रखे हैं। लेकिन सोचने की बात है कि, ऐसी कितनी प्रतिशत महिलाएं हैं ? क्योंकि अधिकतर महिलाएं तो ऐसी हैं, जिन्हें उनके भविष्य के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं है। यह समस्या केवल भारत की ही नहीं बल्कि, यह पूरी दुनिया की समस्या है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्यों की चर्चा करते हुए कहा कि, 17 उद्देश्यों में से पांचवा उद्देश्य है, लैंगिक समानता। इसमें कहा गया है कि, हमें महिलाओं और बच्चियों का सशक्तिकरण करना है। श्रीमती अरुणा ने अपने पुलिस विभाग के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि, महिलाओं और बच्चियों के लिए एक सुरक्षित परिवार, एक सुरक्षित कॉलोनी, एक सुरक्षित गांव, एक सुरक्षित शहर बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, हमारे परिवारों में लड़कों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है। हमें परिवार में लड़कों की परवरिश पर ध्यान देने की आवश्यकता है। तभी लड़के हर लड़की से सम्मानपूर्वक व्यवहार करना सीखेंगे। श्रीमती अरुणा ने अंत में कहा कि, एक संवेदनशील इंसान समाज के आतंरिक मूल्य का पालन करता है और इसी से हम एक समानताआधारिक समाज बनाने का प्रयत्न कर सकते हैं। उन्होंने समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि, महिलाओं के योगदान को पहचान और महत्व देने की आवश्यकता है।

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय , भोपाल
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 'A' ग्रेड प्रदत्त)

शनिवार 16 मार्च, 2024 | भोपाल. | भोजपाल समाचार | 03 | इंटीग्रेटेड ट्रेड

खबर को आवाज बनाए.

news

नागरिक रिपोर्टर बने

प्रति रविवार पृष्ठ 03 पर

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस दिवस 22.03.2024

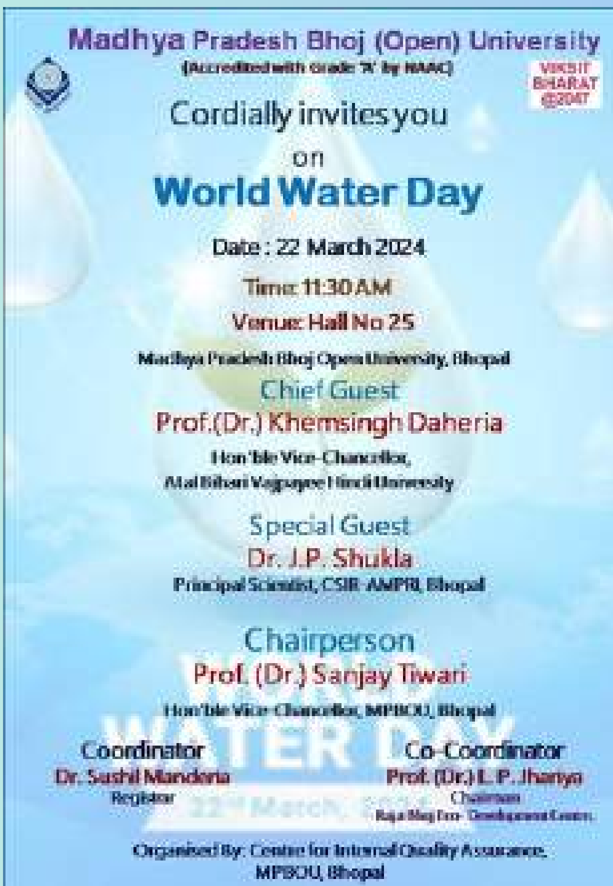

जल संरक्षण को कोर्स में शामिल करने की जरूरत : प्रो. डहेरिया

सेमिनार ● भोज मुक्त विवि में अंतरराष्ट्रीय जल दिवस पर वक्ताओं ने रखी बात

पानी की आवश्यकता से अधिक हो रहा दोहन

आरएमएनएच में पानी पर आधारित लगाई अस्थायी प्रदर्शनी

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस वर्ष 2024 में जल दिवस का शीर्षक है शांति के लिए जल। विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित जल दिवस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो खेमसिंह डहेरिया कुलपति अटल बिहारी वाजपई हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ जे पी शुक्ला मुख्य वैज्ञानिक एम्प्री भोपाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी द्वारा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ सुशील मंडेरिया कुलसचिव एवं सह संयोजक प्रो एल पी झरिया भी उपस्थित थे। अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के विशेष मौके पर विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी प्रस्तुत की गई जिसमे गीत कविता तथा भाषण सम्मिलित थें। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिताए भाषण प्रतियोगिताए गीत प्रतियोगिता तथा मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया ने कहा किए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्य में छठवें नंबर का लक्ष्य हमारा स्वच्छ जल ही है। इस धरती पर तीन प्रतिशत पानी ही मीठा पानी है। लगभग 18% विश्व की आबादी हमारे भारत देश में रहती है। कहीं-कहीं पर पानी का स्तर 100 से 1000 फीट नीचे तक जा चुका है यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा प्रकृति का हमें रक्षण करना होगा। जिससे वर्षा जल मिलता है ऐसे वनों का रक्षण करना भी जरूरी है। बढ़ती आबादी के साथ साथ हमारे जल स्रोत कम होते जा रहे हैं। यदि इसी तरह जल की मांग बढ़ेगी तो इससे युद्ध की संभावना भी बढ़ सकती है। जल की प्रचुरता होगी तो ही विश्व में शांति आएगी। मुख्य वक्ता, वैज्ञानिक, डॉ जे पी शुक्ला ने कहा किए जल की समस्या के कई कारण है। इसमें जल प्रबंधन की कमी, जल का अधिक दोहन और हमारी जरूरत में वृद्धि मुख्य हैं। जीव, जंतु, वनस्पति सभी के लिए पानी अति आवश्यक है। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। जिससे बड़ी नदियों का जलस्तर कम हो रहा है। गांव, कस्बों से तालाब गायब हो रहे हैं। पानी का आवश्यकता से अधिक दोहन हो रहा है। हमारे कुओं में पानी सूख गया है। उन्होंने कहा किए जल संरक्षण के लिए हमें बहुत सारी पुरानी विधियों को उपयोग में लाने की आवश्यकता है। गांव में छोटे छोटे बांध बनाकर स्टॉप डैम बनाकर भूजल को रिचार्ज किया जा सकता है। पानी की मात्रा और गुणवत्ता यह दो मुख्य बातें हैं जिसे ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि उद्योग लगाने के पूर्व पर्यावरणीय समिति की जो सिफारिशें होती है उनको एक प्रतिशत भी जमीन पर लागू नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा किए प्रायः देखा गया है किए जहां भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है वहां के पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत अधिक बढ़ जाती है। इससे स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं पैदा होती हैं।

डॉक्टर शुक्ला ने रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी से जलीय स्रोतों की मैपिंग की जानकारी दी उन्होंने बताया कि किस प्रकार पानी के श्रोतों का डाटा तैयार हो गया है। जिसका इस्तेमाल शोध कार्य में होता है। इसी डाटा के आधार पर योजना निर्माता योजनाओं का निर्माण करते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो खेमसिंह डहेरिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज हमें एक-एक बूंद जल को बचाने की आवश्यकता है एवं वर्षा जल संचय किया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल संरक्षण को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए। भोपाल के तालाबों का संरक्षण किया जाना अति आवश्यक है। जल संरक्षण और जल के लिए जागरूकता कार्यक्रमों को चलाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा किए राजा भोज ने 10वीं शताब्दी में शासन किया और उनका सबसे बड़ा कार्य जल संरक्षण के क्षेत्र में रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण भोपाल का बड़ा तालाब है। उन्होंने कई जगह पर बांध बनाकर जल संरक्षण किया। जिससे जनता को पीने का पानी और सिंचाई के लिए प्रचुर मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकी और आज भी इन स्रोतों का उपयोग जनता कर रही है। प्रो तिवारी ने कहा किए दूषित जल के कारण ही बीमारी उत्पन्न होती हैं। जल हमारे जीवन एवं संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि अध्ययन से पता चला है किए 2040 तक भारत की लगभग 40% जनसंख्या पानी के संकट से जूझ रही होगी। प्रदूषित पानी के कारण हमारी बड़ी आबादी बीमारियों से ग्रसित हो रही है। घरों में हमें पानी को रीयूज़ और रिसाइकल कर इस्तेमाल करना चाहिए और सबसे बड़ी बात कि हमें जल की कद्र करना होगा। पानी का अपव्यय रोकना हमारी प्राथमिकता होगा चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार डॉ साधना सिंह बिसेन ने किया तथा आभार प्रदर्शन विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ निशि अवस्थी ने किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, कर्मचारी, शिक्षक गण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में फरवरी 2024 से आरंभ नए अकादमिक सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हुई जिसमें अंतिम तिथि 31 मार्च 2024 तक निम्नलिखित 35 प्रोग्राम में कुल 40350 नये विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

1) BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION.
2) BACHELOR OF ARTS
3) BACHELOR OF SCIENCE
4) BACHELOR OF EDUCATION
5) BACHELOR OF COMMERCE
6) BACHELOR OF COMPUTER APPLICATIONS
7) BACHELOR OF EDUCATION - SPECIAL EDUCATION
8) BACHELOR OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
9) BACHELOR OF JOURNALISM
10) MASTER OF SCIENCE (BOTANY)
11) MASTER OF ARTS (ECONOMICS)
12) MASTER OF ARTS (HINDI)
13) MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION
14) MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION (MATERIAL MANAGEMENT)
15) MASTER OF COMPUTER APPLICATIONS
16) MASTER OF SCIENCE (PHYSICS)
17) MASTER OF SCIENCE (CHEMISTRY)
18) MASTER OF SCIENCE (MATHEMATICS)
19) MASTER OF SCIENCE (ZOOLOGY)
20) MASTER OF SCIENCE (INFORMATION TECHNOLOGY)
21) MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)
22) MASTER OF ARTS (HISTORY)
23) MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)
24) MASTER OF ARTS (GEOGRAPHY)
25) MASTER OF JOURNALISM
26) MASTER OF COMMERCE
27) MSW
28) BACHELOR OF SCIENCE (DATA SCIENCE) (NEW)
29) BACHELOR OF SCIENCE (CYBER SECURITY) (NEW)
30) MASTER OF SCIENCE (CYBER SECURITY) (NEW)
31) MASTER OF ARTS (ENGLISH) (NEW)
32) POST GRADUATE DIPLOMA (CYBER SECURITY) (NEW)
33) POST GRADUATE DIPLOMA (MANAGEMENT LOGISTICS & SUPPLY CHAIN MANAGEMENT (NEW)
34) POST GRADUATE DIPLOMA (EVENT MANAGEMENT) (NEW)
35) POST GRADUATE DIPLOMA (ENERGY MANAGEMENT) (NEW)

ये सभी 35 प्रोग्राम, UGC-DEB, AICTE/RCI/NCTE द्वारा अनुमोदित है, विद्यार्थियों को वर्तमान समय की मांग, कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा सुलभ कराए जाने के उद्देश्य से 26 नवीन पाठ्यक्रमों को प्रारंभ किया गया है।

10 Newly Introduced Diploma Programmes

- Marketing Management
- Logistic & Supply Chain Management
- Travel & Tourism
- Rural Management
- Management
- Event Management
- Energy Management
- Cyber Security
- Data Science
- AI & Data Science

8 Newly Introduced Certificate Programmes

- Rural Development
- Indian Litrature
- Written & Spoken Sanskrit
- Introduction to Vedas
- Indian Philosophy
- Ayurvedic Dietetics
- Indian Education & Holistic Development
- Intellectual Property Rights

MBA एवं MCA में पार्श्ववृत्ति प्रवेश (लैटरल एंट्री) की सुविधा प्रदान की गई है।